

रीजनल इकॉनमिक आउटलुक फॉर एशिया एंड पैसफिक रिपोर्ट: IMF

प्रलिस के लिये:

IMF, वशिष आहरण अधिकार, वशिष इकॉनमिक आउटलुक, [अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष](#), मुद्रास्फीति, [वशिष बैंक](#) ।

मेन्स के लिये:

महत्त्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय संस्थाएँ, रिपोर्टें, एजेंसियाँ एवं आगे की संरचना, शासनादेश आदी।

[स्रोत: आई.एम.एफ.](#)

चर्चा में क्यों?

हाल ही में [अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष](#) ने एशिया-प्रशांत क्षेत्र के लिये अपनी रिपोर्ट 'रीजनल इकॉनमिक आउटलुक फॉर एशिया एंड पैसफिक, अप्रैल 2024' जारी की है, जिसमें कहा गया है कि भारत, अप्रत्याशति रूप से मज़बूत वृद्धिका स्रोत था। इसके अतिरिक्त, सार्वजनिक निवेश भारत की अर्थव्यवस्था को संचालित करने में एक महत्त्वपूर्ण कारक रहा है।

रिपोर्ट की मुख्य वशिषताएँ क्या हैं?

- एशिया-प्रशांत क्षेत्र में वकिस: वर्ष 2023 के अंत में एशिया-प्रशांत क्षेत्र में की वृद्धि 5.0% से अपेक्षाकृत अधिक रही, जिसमें सभी अर्थव्यवस्थाओं में मुद्रास्फीतिकी दर भिन्न-भिन्न थी।
 - वर्ष 2024 के अनुमानों से नकिट अवधि के जोखमिों को संतुलित करते हुए वृद्धि में 4.5% की गरिबट होने की आशा व्यक्त की गई है।
 - उभरते बाज़ारों में वृद्धिमुख्य रूप से नजिी मांग द्वारा समर्थति थी।

Economic forecasts: Asia and the Pacific

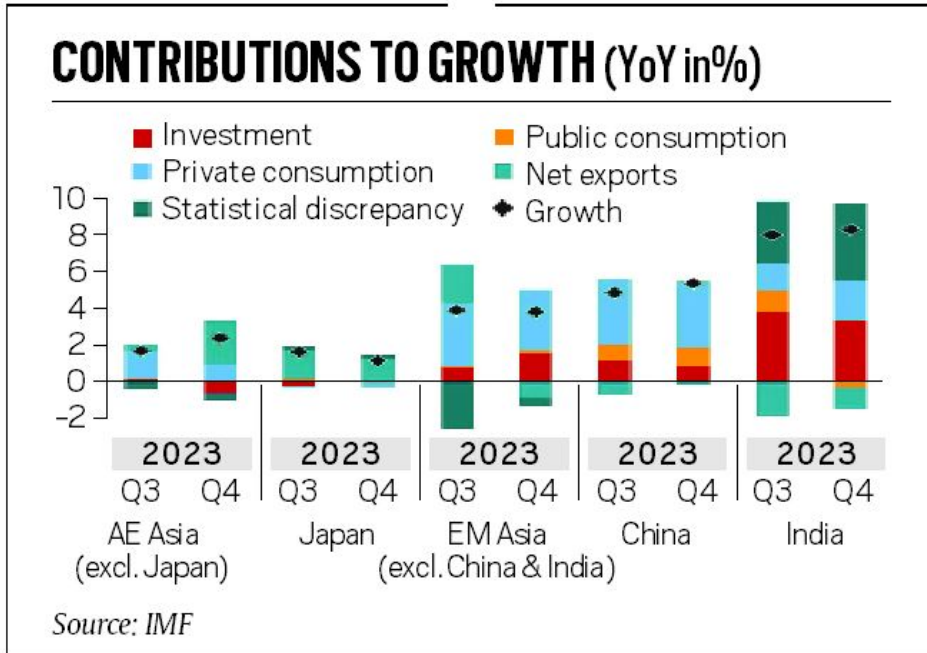
(real GDP growth; year-over-year percent change)

| | PROJECTIONS | | | CHANGE FROM OCT 2023 WEO | |
|---------------------------------|-------------|------------|------------|-----------------------------|------------|
| | 2023 | 2024 | 2025 | 2024 | 2025 |
| Asia | 5.0 | 4.5 | 4.3 | 0.3 | 0.0 |
| Advanced economies | 1.7 | 1.6 | 1.8 | -0.1 | 0.2 |
| Australia | 2.1 | 1.5 | 2.0 | 0.3 | 0.0 |
| Hong Kong SAR | 3.2 | 2.9 | 2.7 | 0.0 | -0.2 |
| Japan | 1.9 | 0.9 | 1.0 | -0.1 | 0.4 |
| Korea | 1.4 | 2.3 | 2.3 | 0.1 | 0.0 |
| New Zealand | 0.6 | 1.0 | 2.0 | 0.0 | -0.1 |
| Singapore | 1.1 | 2.1 | 2.3 | 0.0 | -0.2 |
| EMDEs | 5.6 | 5.2 | 4.9 | 0.4 | 0.0 |
| Bangladesh | 6.0 | 5.7 | 6.6 | -0.3 | 0.0 |
| Brunei Darussalam | 1.4 | 2.4 | 2.5 | -1.1 | -0.3 |
| Cambodia | 5.0 | 6.0 | 6.1 | -0.1 | -0.3 |
| China | 5.2 | 4.6 | 4.1 | 0.4 | 0.0 |
| India | 7.8 | 6.8 | 6.5 | 0.5 | 0.2 |
| Indonesia | 5.0 | 5.0 | 5.1 | 0.0 | 0.1 |
| Lao P.D.R. | 3.7 | 4.0 | 4.0 | 0.0 | -0.1 |
| Malaysia | 3.7 | 4.4 | 4.4 | 0.1 | 0.0 |
| Mongolia | 7.0 | 6.5 | 6.0 | 2.0 | 2.5 |
| Myanmar | 2.5 | 1.5 | 2.0 | -1.1 | -0.5 |
| Nepal | 0.8 | 3.1 | 5.2 | -1.9 | 0.0 |
| Philippines | 5.6 | 6.2 | 6.2 | 0.3 | 0.1 |
| Thailand | 1.9 | 2.7 | 2.9 | -0.5 | -0.2 |
| Vietnam | 5.0 | 5.8 | 6.5 | 0.0 | -0.4 |
| Pacific island countries | 3.3 | 4.0 | 3.5 | 0.2 | 0.0 |

Sources: IMF, World Economic Outlook database; and IMF staff calculations.

Note: EMDEs = Emerging markets and developing economies. EMDEs exclude Pacific island countries and other small states. India's data are reported on a fiscal year basis. Its fiscal year starts from April 1 and ends on March 31. Pacific island countries aggregate is calculated using simple average, all other aggregates are calculated using weighted average.

- भारत में वृद्धि का पूर्वानुमान: IMF ने वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिये भारत के वृद्धि पूर्वानुमान को 6.5% से बढ़ाकर 6.8% कर दिया है और साथ ही वर्ष 2025-26 के लिये वृद्धि पूर्वानुमान 6.5% रहने का अनुमान व्यक्त किया है।
 - इस रपॉर्ट में यह भी स्पष्ट किया गया कि भारत तथा फिलीपींस लचीली घरेलू मांग द्वारा समर्थित सकारात्मक वृद्धि का स्रोत रहे हैं।
 - चीन तथा विशेष रूप से भारत में सार्वजनिक निवेश का महत्वपूर्ण प्रभाव है।



- चीन के लिये पूर्वानुमान: चीन की अर्थव्यवस्था वर्ष 2024 में 4.6% की दर से बढ़ने का अनुमान व्यक्त किया गया है, जो वर्ष 2023 के 5.2% की वृद्धि दर की तुलना में कम है, साथ ही वर्ष 2025 में इसके 4.1% पर रहने का अनुमान है।
 - IMF, चीन को वृद्धि और कमी दोनों जोखिमों के स्रोत के रूप में देखता है।
 - संभावित आवास कीमतों में वृद्धि एवं ऋण के अत्यधिक स्तर के बारे में चिंताओं के कारण परसिंपत्त क्षेत्र तनाव की स्थिति में है। इन तनावों को कम करने वाली नीतियों तथा घरेलू मांग में वृद्धि के परिणामस्वरूप चीन तथा यह क्षेत्र (एशिया-प्रशांत) लाभान्वित होंगे।
 - हालाँकि, स्टील और एल्युमीनियम जैसे कुछ उद्योगों में अतिरिक्त क्षमता को बढ़ावा देने वाली क्षेत्रीय नीतियों से चीन तथा इस क्षेत्र को हानि होगी।
- मुद्रास्फीति का पूर्वानुमान: IMF ने स्पष्ट किया कि उभरते बाजारों में मुद्रास्फीति वर्तमान में वांछित स्तर पर है, लेकिन कई ऐसे कारक हैं जो भविष्य में मुद्रास्फीति में योगदान देंगे।
 - कोर मुद्रास्फीति कम रहने का अनुमान है, लेकिन कुछ अर्थव्यवस्थाओं में ऊर्जा की कम कीमतों के कारण हेडलाइन मुद्रास्फीति में कमी देखी जा सकती है।
 - तथापि, भारत जैसे देशों में खाद्य कीमतें, विशेष रूप से चावल की कीमतें, हेडलाइन मुद्रास्फीति में वृद्धि कर सकती हैं।
 - अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष द्वारा परिभाषित मुद्रास्फीति, एक निश्चित अवधि के अंतर्गत कीमतों में वृद्धि की दर है, जिसमें समग्र मूल्य वृद्धि व वशिष्ट वस्तुओं और सेवाओं के व्यापक उपाय शामिल हैं।
 - हेडलाइन मुद्रास्फीति: इसमें सभी वस्तुओं और सेवाओं के मूल्य परिवर्तन शामिल होते हैं। इसके अंतर्गत खाद्य पदार्थों और ऊर्जा से लेकर कपड़े, करिया तथा मनोरंजन तक सब कुछ शामिल है।
 - मूल मुद्रास्फीति: यह खाद्य एवं ऊर्जा क्षेत्रों को छोड़कर वस्तुओं एवं सेवाओं की कीमत में होने वाला परिवर्तन है (क्योंकि ये अस्थिर हैं)।
 - मूल मुद्रास्फीति = हेडलाइन मुद्रास्फीति - खाद्य एवं ईंधन वस्तुएँ
- भू-आर्थिक वखिंडन: IMF ने भू-आर्थिक वखिंडन को एक महत्वपूर्ण जोखिम के रूप में दर्शाया किया है।
 - भू-आर्थिक वखिंडन का तात्पर्य देशों के मध्य बढ़ते आर्थिक और व्यापारिक तनाव रूपी संकट से है, जो वैश्विक आर्थिक विकास एवं स्थिरता पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकता है।
 - वैश्विक विवादों ने व्यापार से जुड़े जोखिमों को बढ़ा दिया है, जैसे कि लाल सागर क्षेत्र में उत्पन्न विवाद से बचने के लिये जहाजों को अफ्रीका के आस-पास के क्षेत्रों में पथांतर से ज्ञात होता है, इसके परिणामस्वरूप शिपिंग लागत में वृद्धि हुई है।
 - IMF ने यह सुझाव दिया है कि नीति निर्माताओं को सतर्क रहना चाहिये कि वे स्वयं व्यापार संबंधी चुनौतियों को न बढ़ाएँ।

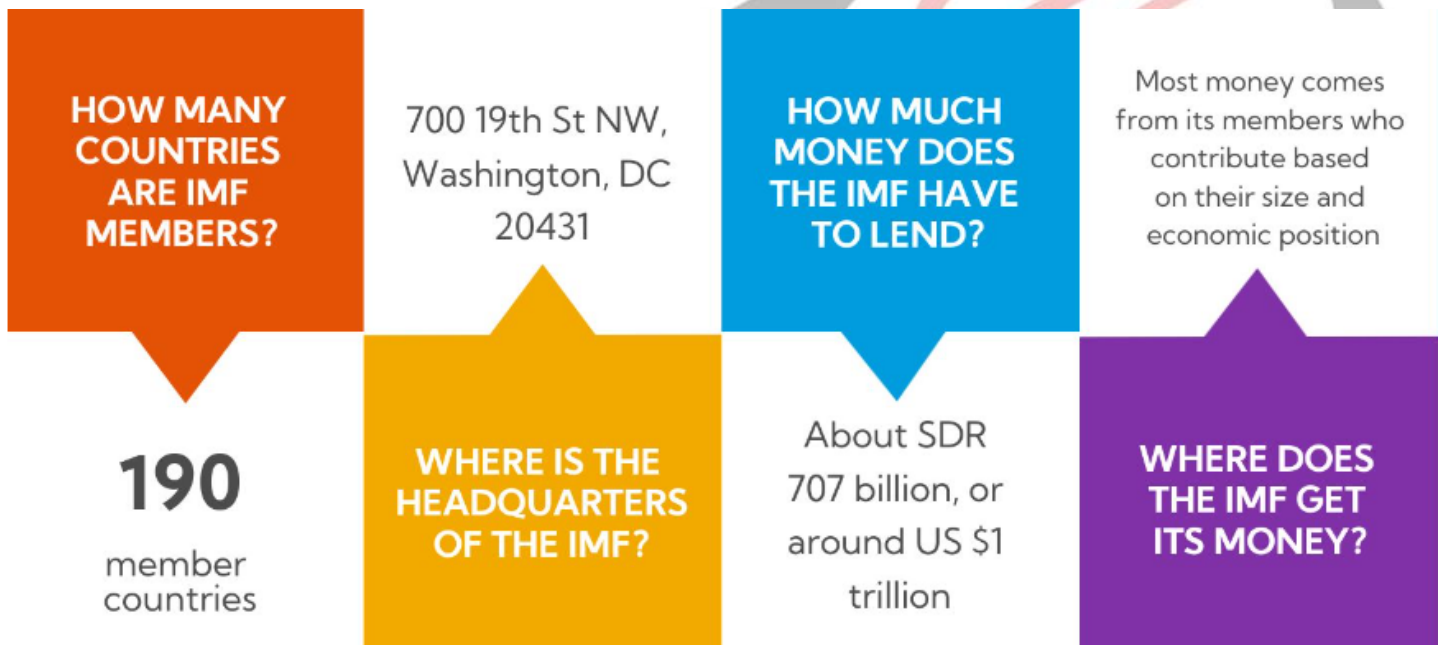
भारत के विकास हेतु सार्वजनिक निवेश किस प्रकार महत्वपूर्ण है?

- परिचय: सार्वजनिक निवेश का तात्पर्य बुनियादी ढाँचे, शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल और प्रौद्योगिकी जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों के लिये सरकारी धन के आवंटन से है।

- यह किसी देश के आर्थिक विकास पथ को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।
- **भारत के विकास की कुंजी के रूप में सार्वजनिक क्षेत्र:**
 - **बुनियादी ढाँचे का विकास:** सड़कों, राजमार्गों, रेलवे, बंदरगाहों, हवाई अड्डों तथा ऊर्जा संयंत्रों जैसे महत्वपूर्ण बुनियादी ढाँचे के निर्माण एवं प्रबंधन हेतु सार्वजनिक नविश महत्वपूर्ण है, जो आर्थिक विकास और उत्पादकता के लिये भी आवश्यक है।
 - इस क्षेत्र को **वर्ष 2030 तक 4.5 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर** के अनुमानित नविश की आवश्यकता होगी, जो इस क्षेत्र में सार्वजनिक नविश में वृद्धि की आवश्यकता को रेखांकित करता है।
 - **रोज़गार सृजन और नरिधनता उन्मूलन:** बुनियादी ढाँचा परियोजनाओं, सामाजिक कल्याण योजनाओं और ग्रामीण विकास पहलों में सार्वजनिक नविश, रोज़गार के अवसर सृजित कर सकता है तथा नरिधनता उन्मूलन में योगदान दे सकता है।
 - उदाहरण के लिये, **महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोज़गार गारंटी अधिनियम (Mahatma Gandhi National Rural Employment Guarantee Act- MGNREGA)** की स्थापना के पश्चात अरबों व्यक्ति-दिवस रोज़गार (Person-Days Employment) सृजित किये हैं।
 - **मानव पूंजी विकास:** कुशल व उत्पादक कार्यबल के निर्माण के लिये शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल एवं कौशल विकास में सार्वजनिक नविश महत्वपूर्ण है, जो नरिधन आर्थिक विकास हेतु आवश्यक है।
 - साथ ही, सार्वजनिक नविश सभी क्षेत्रों में संतुलित विकास सुनिश्चित करता है, यह असमानताओं को कम करता है तथा समावेशी विकास को बढ़ावा देता है।
 - **नज्दी नविश में वृद्धि:** बुनियादी ढाँचे और अन्य उत्पादक क्षेत्रों में सार्वजनिक नविश **व्यवसाय लागत में कमी और समग्र उत्पादकता में वृद्धि** के लिये अनुकूल वातावरण तैयार कर सकता है।

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (International Monetary Fund- IMF) क्या है?

- **परिचय:** अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) एक अंतरराष्ट्रीय संगठन है जो सदस्य देशों को वित्तीय सहायता और सलाह प्रदान करता है।
 - इसकी परिकल्पना **जुलाई, वर्ष 1944 में ब्रेटन वुड्स सम्मेलन** के दौरान की गई थी।



- **उद्देश्य:**
 - वैश्विक मौद्रिक सहयोग एवं स्थिरता को बढ़ावा देना।
 - वित्तीय स्थिरता सुनिश्चित करना तथा संकट की स्थिति में सहायता उपलब्ध कराना।
 - स्थिर मुद्राओं के साथ अंतरराष्ट्रीय व्यापार को सुगम बनाना।
 - प्रभावी नीतियों के माध्यम से सतत विकास एवं रोज़गार को बढ़ावा देना।
- **बोर्ड ऑफ गवर्नर्स:** IMF के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स में प्रत्येक सदस्य देश से एक गवर्नर और एक कार्यकारी गवर्नर शामिल होते हैं।
 - भारत के मामले में भारत के **वित्तमंत्री**, बोर्ड ऑफ गवर्नर्स में पदेन गवर्नर के रूप में कार्य करता है तथा **भारतीय रज़िर्व बैंक का गवर्नर** भारत के अल्टरनेट गवर्नर के रूप में कार्य करता है।
- **वशिष्ट आहरण अधिकार:** IMF एक अंतरराष्ट्रीय आरक्षण परिसंपत्ति जारी करता है जिसे **वशिष्ट आहरण अधिकार** के रूप में जाना जाता है, यह सदस्य देशों के आधिकारिक रज़िर्व में पूरक के रूप में कार्य कर सकता है।
 - वर्तमान में कुल वैश्विक आवंटन लगभग **293 बिलियन अमेरिकी डॉलर** है। IMF सदस्य स्वेच्छा से आपस में मुद्राओं के लिये SDR का आदान-प्रदान कर सकते हैं।
- **IMF द्वारा प्रकाशित रिपोर्ट:**

- (a) एशियाई विकास बैंक
- (b) अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष
- (c) संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम वित्त पहल
- (d) विश्व बैंक

उत्तर: (b)

प्रश्न. "स्वरण-ट्रान्श" (रजिस्टर ट्रान्श) नरिदषिट करता है (2020)

- (a) विश्व बैंक की ऋण व्यवस्था
- (b) केंद्रीय बैंक की किसी एक क्रिया को
- (c) WTO द्वारा इसके सदस्यों को प्रदत्त एक साख प्रणाली को
- (d) IMF द्वारा इसके सदस्यों को प्रदत्त एक साख प्रणाली को

उत्तर: (d)

प्रश्न. 'वैश्विक वित्तीय स्थिरता रिपोर्ट (Global Financial Stability Report)' किसके द्वारा तैयार की जाती है? (2016)

- (a) यूरोपीय केंद्रीय बैंक
- (b) अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष
- (c) अंतरराष्ट्रीय पुनर्निर्माण एवं विकास बैंक
- (d) आर्थिक सहयोग तथा विकास संगठन

उत्तर: (b)

??????:

प्रश्न. विश्व बैंक व अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष, संयुक्त रूप से बरेटन बुड्स नाम से जानी जाने वाली संस्थाएँ, विश्व की आर्थिक व वित्तीय व्यवस्था की संरचना का संभरण करने वाले दो अन्तःसरकारी स्तंभ हैं। पृष्ठीय रूप में विश्व बैंक व अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष दोनों की अनेक समान वशिष्टताएँ हैं, तथापि उनकी भूमिका, कार्य तथा अधिदेश स्पष्ट रूप से भिन्न हैं। व्याख्या कीजिये। (2013)